

पुलिस जनता को इतना जागरूक करें-राज्यपाल 19-1-2017

करनाल 19 जनवरी, हरियाणा के राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष के दौरान पुलिस व जनता के बीच ओर अधिक मधुर सम्बन्ध स्थापित हों, पुलिस अपनी सकारात्मक भूमिका निभाए और जनता को इतना जागरूक करें कि कोई भी व्यक्ति कानून ना तोड़े और प्रदेश अपराध मुक्त बन जाए तथा लोग सड़क नियमों की दृढ़ता से पालना करें ताकि सड़क दुर्घनाएं कम हो सके।

राज्यपाल सोलंकी वीरवार को पुलिस एकादमी मधुबन परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का उद्घाटन करने उपरांत उपस्थित पुलिस विभाग के अधिकारियों व स्कूली बच्चों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा को बने 50 साल हो गए हैं सरकार द्वारा इस वर्ष को स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। स्वर्ण जयंती वर्ष में सड़क सुरक्षा विषय पर पुलिस विभाग की ओर से यह तीसरा कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम देखकर लगता है कि पुलिस ने जनता के लिए सकारात्मक भूमिका निभानी शुरू कर दी है। उन्होंने पुलिस विभाग को बधाई देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को चुनकर एक सराहनीय कदम उठाया है। बच्चे देश का भविष्य हैं, जागरूकता कार्यक्रम के लिए बच्चे एक ऐसा माध्यम हैं जो ना केवल अपने परिवार को जागरूक करते हैं बल्कि समाज में एक बड़ा बदलाव लाने में भी सक्षम है। उन्होंने कहा कि इस बात की महत्वता को समझते हुए ज्ञानवर्धक कार्यक्रम शुरू किया है। स्कूलों में बच्चों को गीता का ज्ञान भी दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आदर्श गांव वह गांव होता है जहां लोगों की मुलभूत जरूरतों और विकासात्मक कार्यों के साथ-2 गांव में अमन, चैन हो। कोई भी व्यक्ति कानून को ना तोड़े और पुलिस विभाग में कोई भी एफआईआर दर्ज ना हो। राज्यपाल ने कहा कि बढ़ती आबादी, बढ़ते वाहनों तथा आज के तनाव के समय में सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगी है लेकिन फिर भी देश में आए दिन सैंकड़ों लोग सड़क दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं जोकि दुभाग्यपूर्ण है। हरियाणा सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। राजमार्गों एवं अन्य मार्गों पर यात्रा करने वाले लोग सुरक्षित महसूस करें तथा उन्हें किसी अप्रिय घटना के दौरान अथवा विपरित परिस्थितियों में अविलम्ब सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। इतना ही नहीं सरकार द्वारा पहली बार सड़क सुरक्षा कोष का गठन किया है , इस राशि को सड़क दुर्घटनाओं को कम करने वाली

परियोजनाओं तथा यातायात उपकरणों व घायलों को सहायता उपलब्ध करवाने पर खर्च किया जा रहा है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करे, जब भी आप किसी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को देखते हैं तो तुरंत उसकी सहायता करें। उन्होंने समारोह में शिक्षण संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में, बच्चों ने भविष्य के खतरों के प्रति ें ने आगाह किये जाने के कार्य की सराहना की। राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान रीटा रंजन द्वारा रचित जिन्दगी ना मिलेगी दोबारा नाटक के मंचन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

राज्यपाल ने सड़क सुरक्षा प्रश्रोतरी प्रतियोगिता के अक्वल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया तथा सड़क सुरक्षा नियमों की अपने-2 क्षेत्र में दृढ़ता से पालना करवाने तथा लोगों में जागृति लाने वाले पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को भी सम्मानित किया।

इस मौके पर हरियाणा पुलिस विभाग के महानिदेशक डा० केपी सिंह ने कहा कि हरियाणा पुलिस सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सजग है और समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में हरियाणा के चारों पुलिस रेंजों और तीनों कमीशनरीएट पर विभिन्न आयु वर्गों के विद्यार्थियों में प्रतियोगिताएं करवाई गई हैं, इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रदेश के 18 हजार 450 शिक्षण संस्थाओं के लगभग 44 लाख बच्चों को सड़क नियमों के प्रति जागरूक किया गया है। यही नहीं प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रत्येक तीस किलोमीटर पर यातायात प्रहरी नियुक्त किए गए हैं जिनके पास राईडर, एम्ब्लैस, क्रेन और इंटरसैप्टर इत्यादि मशीनरी उपलब्ध है। इसके साथ-साथ प्रदेश में 2600 व्यक्तियों को शामिल करते हुए सड़क सुरक्षा संगठन भी लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर रहा है।

इस अवसर पर मधुबन एकादमी के निदेशक केके सिंधू ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा एकादमी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारी शत्रुजीत कपूर, अनिल राव, अलोक राय, सुमन मंजरी, शिबास कविराज, सुभाष यादव, नवदीप सिंह विर्क, जिला प्रशासन की ओर से डीसी मंदीप सिंह बराड़ , एसडीएम योगेश कुमार मौजूद रहे।



